ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 153-154

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-11, No.-II, Issues-14 YEAR- Dec. -2019

ग्रामीण कामगारों के परिवारों पर जनसंचार साधनों का प्रभाव

धन्नजय कुमार

शोध अध्येता– समाजशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया (बिहार) भारत

Received- 30.09.2019, Revised- 06.11.2019, Accepted - 09.09.2019 E-mail: dr.ramnyadav@gmail.com

सारांश : **गाँव में बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो कृषि के अतिरिक्त अन्य व्यवसायों को करते हैं। सभी ग्रामीण कामगारों को जो कृषि में योगदान नहीं करते उन्हें ग्रामीण श्रमिक तथा ग्रामीण दस्तकार के रूप में विभाजित किया जा सकता है। ग्रामीण श्रमिकों को भी दो भागों में बाँटा जा सकता है, जिन्हें कृषक मजदूर तथा भूमिहीन मजदूर के रूप में जाना जाता है। इन्हीं लोगों को ग्रामीण कामगार के रूप में जाना जाता है।**

वर्तमान समय में ग्रामीण समाज पर अनेक कारकों एवं प्रक्रियाओं का प्रभाव पड़ा है जिसके फलस्वरूप ग्रामीणों के सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक जीवन में परिवर्तन हुआ है।

वर्तमान समय में जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों में शिक्षा का प्रसार हुआ है, नगरों से सम्पर्क हुआ है, वे आज जनसंचार के विभिन्न साधनों का उपयोग कर रहे हैं। जनसंचार जैसा कि नाम से स्पष्ट होता है कि कोई भी यंत्र जो संदेश को बढ़ाता है तथा एक साथ बहुत बड़े मिश्रित जनसमूह को पहुंचाता है उसे जनसंचार कहा जाता है जैसे–रेडियो, टी.वी., फिल्म, समाचार पत्र, पुस्तकें आदि।

कुंजी शब्द – कृषि, व्यवसाय, ग्रामीण कामगार, योगदान, ग्रामीण श्रमिक, ग्रामीण दस्तकार, कृषक मजदूर, सामाजिक।

जहानाबाद जिला के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंचार साधनों की पहुंच कारीगर भी इनसे प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीण कामगारों के पास रेडियो, टी.वी. आसानी से देखे जा सकते हैं। ग्रामीण टी.वी. के द्वारा सिनेमा भी देखते हैं। परिणामस्वरूप ग्रामीण कामगारों के पारिवारिक जीवन पर जनसंचार साधनों का स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलता है। जनसंचार के साधनों के कारण ग्रामीण कामगारों के परिवार के परम्परागत कार्यों में शिथिलता आती जा रही है। परिवार का व्यक्ति पर प्राथमिक इकाई के रूप में नियंत्रण समाप्त होता जा रहा है। ग्रामीण कामगारों के परिवारों में पहले बूढ़ों की बात परिवार का प्रत्येक सदस्य मानता था, परिवार का नियंत्रण इतना दृढ़ था कि एक पत्ता भी हिल नहीं सकता था। लेकिन जनसंचार साधनों के प्रभाव के कारण अब लोग बड़े–बुढ़ों की बात को मजाक और उनको उचित सम्मान नहीं देते। ग्रामीण कामगारों के परिवार में बच्चे, बुढ़े सभी एक साथ टी.वी. देखते हैं। जिसका प्रभाव उनपर पड़ता है, बच्चे, जवान सिनेमा के कलाकारों के व्यवहारों का नकल करने लगे हैं।

रेडियो, टेलीविजन ने जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के परिवारों के धार्मिक भावनाओं को भी आघात पहुंचाया है जो धार्मिक क्रियाएँ परिवार में सम्पन्न होती थी, उनका स्थान अब मंदिर और मस्जिद हो गये हैं। इस प्रकार ग्रामीण कामगारों के परिवारों में धर्म का दृष्टिकोण भी बदलता जा रहा है।

ग्रामीण समाज में रोजगार का अभाव होने के कारण जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगार रेडियो तथा टी.वी. के माध्यम से रोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी प्राप्त करते हैं तथा गांवों को छोड़कर शहरों में काम करने लगे हैं। शहरी जीवन से भी प्रभावित हो रहे हैं। पहले जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों में परिवार ही मनोरंजन की एक महत्वपूर्ण इकाई था और आज जनसंचार के साधनों ने मनोरंजन का स्थान ले लिया है।

जनसंचार के साधनों ने जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों की महिलाओं की स्थिति को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनसंचार के माध्यमों के परिणामस्वरूप पर्दा प्रथा समाप्त हुआ है, घरेलू कार्यों को करने के लिए आधुनिक मशीनों का उपयोग कर रही है। साथ ही साथ पारिवारिक निर्णयों में उनकी सहभागिता बढ़ती है। इसके जहानाबाद शहर के नजदीक के ग्रामों की कामगार परिवारों की महिलाएं शहरों के कल–कारखानों में काम करती है जिससे उनमें स्वावलम्बन आ गया है।

जनसंचार के साधनों के प्रभाव के कारण जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के संयुक्त टूट रहे हैं क्योंकि इसके माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोजगार के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा उनमें संलग्न हो रहे हैं। जनसंचार के साधनों के कारण जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के परिवारों में बाल विवाह के प्रति दृष्टिकोण में परिवर्तन हो रहा है तथा लोग अब इससे पल्ला झाड़ रहे हैं।

जनसंचार के साधनों ने जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के परिवारों के अंधविश्वास पर भी चोट पहुंचाया है। परिणामस्वरूप अन्धविश्वास एवं परम्परावादिता

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944 (Print)
ISSN NO.-2582-2454 (Online)
Vol.-11, No.-II, Issues-14 YEAR- Dec. -2019

को वे अब त्यागने लगे हैं।

जनसंचार के साधनों ने जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के परिवार में विधवा पुर्नविवाह को अब और प्रोत्साहन मिल रहा है।

जनसंचार साधनों के प्रभाव ने उक्त जिला के ग्रामीण कामगारों को नये–नये व्यवसाय करने के लिए बैंकों से ऋण लेने लगे हैं। वे अब बैंक, डाकघर का उपयोग कर रहे हैं। ग्रामीण कारीगर संचार के साधनों के प्रभाव में आकर अपनी वेश–भूषा, खान–पान, रहन–सहन के स्तर में सुधार किया है।

जनसंचार के साधनों ने जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के राजनीतिक जीवन को प्रभावित किया है। वे रेडियो एवं टी.वी. के माध्यम से राजनीतिक क्रियाकलापों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। वे वोट के महत्व को समझ चुके हैं। वे अब विभिन्न राजनीतिक दल के सदस्य भी बन चुके हैं। पंचायती राज के चुनाव में विजय भी हासिल कर रहे हैं।

जनसंख्या वृद्धि वर्तमान विश्व की एक सार्वभौमिक समस्या है। प्रतिवर्ष करोड़ों की संख्या में लोगों की जनसंख्या बढ़ रही है। जनसंख्या से सम्बद्ध तथा सर्वांगीण विकास की विभिन्न योजनाओं से जुड़े हुए लोगों का मानना है कि ध्ीरे–धीरे संसाधनों की सुलभता और जनसंख्या के मध्य असमायोजनात्मक सम्बन्ध की समस्या उत्पन्न हो जायेगी, इसलिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर नियोजित परिवार की परिकल्पना पर जनसंचार के साधनों से ज्ञानवर्धक, चेतावनीपरक एवं शिक्षाप्रद कार्यक्रम प्रसारित किये जा रहे हैं जिनका मूल उद्देश्य यथासंभव माननीय पुनरूत्पादकता की प्रवृति को परिसीमित करना है। भारतीय जनसंचार के कार्यक्रमों के अन्तर्गत परिवार नियोजन के सम्बन्ध में प्रतिदिन एकाधिक बार सरकार द्वारा कार्यक्रम सम्प्रेषित किया जाता है। अतः ग्रामीण कामगारों के परिवार के सदस्य भी जनसंचार साधनों के माध्यम से परिवार नियोजन के लाभों की जानकारी प्राप्त कर रहे हैं तथा इसका प्रयोग कर रहे हैं। जनसंचार के साधनों ने ग्रामीण कामगारों के परिवार के सदस्यों के आपसी सामंजस्य पर भी प्रभाव डाला है तथा इसके फलस्वरूप परिवार के सदस्यों में सामंजस्य स्थापित हुआ है। परिवार के सदस्यों में आय की नयी तकनीकी का विकास हुआ है। जनसंचार के साधनों के कारण भोजन बनाने की नयी विधियों का ज्ञान कराने में जनसंचार के कार्यक्रमों का प्रभाव पड़ा है। ग्रामीण कामगार परिवार संचार के साधनों से प्रभावित होकर अपने लड़कियों की भी शिक्षा दिला रहे हैं।

निष्कर्ष के रूप में कहा जा सकता है कि जहानाबाद जिला के ग्रामीण कामगारों के परिवारों पर जनसंचार साधनों का प्रभाव पड़ा है, परन्तु ये प्रभाव शहर के निकटवर्ती गाँवों में दूरस्थ गाँवों की तुलना में अधिक देखने को मिला है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. जी.आर. मदन (1974) : भारत का ग्रामीण समाज, एस.चन्द एण्ड कम्पनी प्रा. लि., रामनगर, नई दिल्ली
2. डॉ. एच.पी. सिंह एवं वी.पी. मित्तल (1991–92) : भारत की आर्थिक समस्यायें, संजीव प्रकाशन, शिक्षा साहित्य के प्रकाशक, लालकुर्ती, मेरठ कैन्ट (उ.प्र.)
3. डॉ. मंजु लता (2000): जनसंचार माध्यम ओर महिलाएँ, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस, प्रह्लाद गली, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली
4. प्रो. भगवान देव पांडेय एवं डॉ. योगेश कुमार पांडेय (2007) : कम्प्यूटर और मीडिया, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
5. डॉ. शंकर सिंह (2011) : सूचना संचार प्रौद्योगिकी, इन्टरनेट तथा सूचना समाज, इएसएस ईएसएस पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।

*****